BRILLION Publishing

कृषि प्रणालियाँ

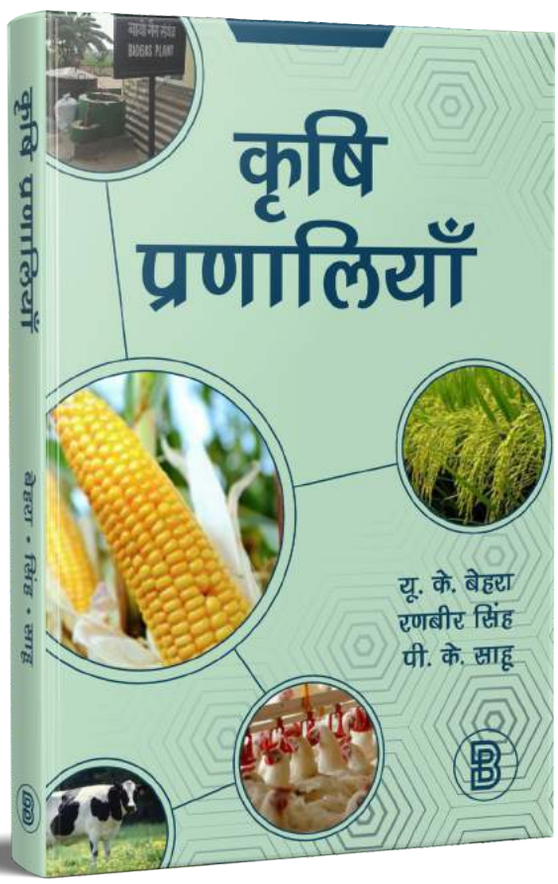

भारत की अधिकांश जनसंख्या कृषि एवं कृषि आधारित व्यवसायों पर जीवन यापन करती हैं। देश में तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या की खाद्य सुरक्षा, कुपोषण सुरक्षा, गरीबी उन्मूलन, प्रतिस्पर्धा और स्थिरता, आमदनी वृद्धि आदि के उद्दश्यों को पूरा करने के लिए कृषि प्रणाली अनुसंधान, विस्तार एवं विकास एवं अनेक अनुसंधान कर्ताओं ने सुझाव दिये हैं कि एक कृषि प्रणाली जटिल क्रियाओं का परिणाम है, उत्पादन अर्थात् अन्योन्याश्रित घटकों की संख्या के बीच जहाँ एक व्यक्ति किसान चार घटकों की कुछ मात्रा और गुणों को आवंटित करता है। भारत जैसे देश के विकास में कृषि प्रणाली अनुसंधान को प्राकृतिक तथा मानव संसाधन प्रबंधन को एक शक्तिशाली उपकरण माना जाता है। इसके साथ ही जनसंख्या बढ़ने के कारण कृषि जोत धीरे–धीरे सिकुड़ती जा रही है। किसानों को कृषि में बनाये रखने के लिए जैव–भौतिक एवं सामाजिक–आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु मुर्गीपालन, बत्तख पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ पालन, फसल, बागवानी एवं मत्स्य इत्यादि भूमि आधारित व्यवसायों को एकीकृत करने की अनियार्यता में कृषि प्रणाली अधिक लाभप्रद और भरोसेमंद है।

प्रस्तुत पुस्तक में अनेक आधारभूत सिद्धांतों को चित्रित किया गया है और खेती प्रणाली में व्यापारिक ज्ञान देने के कारण पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट सामग्री हेतु विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उपयोगी होगी।

ISBN: 978-9-38935-023-4

Price: ₹ 1995/-

सूची (Contents)

कृषि प्रणाली की अवधारणा
कृषि प्रणालियों का निर्धारक
कृषि प्रणालियों के घटक
कृषि प्रणाली अनुसंधान
कृषि प्रणाली अनुसंधान की विधियाँ
कृषि प्रणालियों के प्रकार
कृषि प्रणाली अनुसंधानः अध्ययन
कृषि प्रणालियों में उपयोगी शब्दावली

ISBN: 978-9-38935-023-4

9 789389 350234

For e-version of the book or sample chapter for personal perusal contact:
info@brillionpublishing.com
www.brillionpublishing.com